जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 309 प्रभात बीकानेर, रविवार 1 जून, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'मुझे गर्व है कि भारत-पाक के बीच युद्ध को मैंने ''व्यापार'' से रूकवाया, बंदूक की गोलियों से नहीं'

एक दिन में दूसरी बार, ट्रम्प ने जताया कि उन्होंने भारत-पाक का ''न्यूक्लियर युद्ध'' अपने व्यापार की ताकत से रूकवाया

- ट्रम्प ने भारत व पाकिस्तान को एक तराजू में तोला, यह भारत के लिए बहुत नाजायज़ बात है, क्योंकि युद्ध पहलगाम की घटना से शुरु हुआ, न कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर से।
- भारत का मल्टी पार्टी संसदीय प्रतिनिधिमंडल भी यह ही बात विदेश में कह रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल, तीन जून को वॉशिंगटन पहुंचेगा, गियाना, पनामा, कोलम्बिया और ब्राज़ील का अपना दौरा खत्म करके।
- जैसा कि विदित ही है, इस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व शशि थरूर कर रहे हैं।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 मई। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। उन्होंने कहा कि जिस डील पर उन्हें सबसे ज्यादा गर्व है, वो यह है कि वे व्यापार के जरिए भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोकने में सफल हुए।

गत कुछ सप्ताह में ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि वे दोनों युद्ध नहीं रोकेंगे, तो वे व्यापार बंद कर देगें।

यद्यपि गुरुवार को ही नई दिल्ली ने कहा कि पाकिस्तान के साथ टकराव के दौरान अमेरिका से वार्ता में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा था। एक तरह से भारत ने वाशिंगटन के इस दावे को ठुकरा दिया था कि उसने युद्ध बंद नहीं करने पर व्यापार बंद करने की धमकी दी थी। यह दावा खुद ट्रंप ने कई बार किया है।

ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि, मुझे लगता है कि जिस डील पर मुझे गर्व है, वह यह है कि हम भारत से डील कर रहे हैं, हम पाकिस्तान से डील कर रहे हैं और हम व्यापार के जरिए न्यूक्लियर वॉर रोकने में समर्थ हुए।

ट्रंप ने कहा, ''आम तौर पर वे गोलियों से ऐसा करते हैं। हम व्यापार के जरिए ऐसा करते हैं, इसलिए मुझे इस पर गर्व है। कोई भी इसके बारे में बात नहीं कर रहा है पर भारत और पाक के बीच बहुत खतरनाक युद्ध चल रहा था। दोनों परमाणु क्षमता संपन्न देशों के बीच का युद्ध बहुत बुरा होता जा रहा था।'' ट्रंप ने यह भी बताया कि अगले सप्ताह पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका आ रहा है। ट्रंप ने कहा कि ''जैसा आप जानते है हम इंडिया से डील करने के काफी करीब हैं।''

ट्रंप ने कहा, अगर वे दोनों एक दूसरे से युद्ध करते रहते तो मैं डील नहीं करता और मैने उन्हें यह बात बता दी थी।''

एक ही दिन में ट्रंप ने दो बार यह बात कही कि हमने भारत और पाकिस्तान को युद्ध करने से रोक दिया। मुझे यकीन था, इनका टकराव परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में एक प्रेस कान्फ्रेंस में यह बात कही। इसमें उनके साथ एलन मस्क भी थे, जिन्होंने ट्रंप प्रशासन को छोड़ दिया है। वे सरकारी कार्यकुशलता विभाग के प्रमुख थे।

ट्रंप ने आगे कहा, मैं भारत और पाकिस्तान के नेताओं को धन्यवाद देना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेड़ काटने के आरोपी को पौधे लगाने की शर्त पर अग्रिम जमानत

जयपुर, 31 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर पालिका के पार्क से पेड़ काटने से जुड़े मामले में आरोपी को उसी पार्क में नीम और पीपल आदि के 15 पौधे लगाने की शर्त पर अग्रिम जमानत का लाभ दिया है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश

- हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि नगर पालिका झालरापाटन के ईओ की उपस्थिति में आरोपी पौधारोपण करे व एक साल तक पौधे की देखभाल करे।

रमेश चन्द की अग्रिम जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता नगर पालिका ईओ की उपस्थिति में पौधारोपण करेगा और उनकी कम से कम एक साल तक देखभाल करेगा। वहीं, ईओ समय-समय पर यह जांच करेंगे कि याचिकाकर्ता इन पौधों की देखरेख कर रहा है या नहीं। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि इस निर्देश को सजा के तौर पर नहीं देखा जाए और इसे याचिकाकर्ता की स्वेच्छा से सेवा मानी जाए। अदालत ने कहा कि वैसे हर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमेरिका ने एशियाई देशों को अपना डिफैंस बजट बढ़ाने की सलाह दी'

'सुसज्जित सेना व संगठित सेना ही चीन को रोक पायेगी'

- शांग्रीला कॉन्फ्रैंस, जिसमें एशिया के लगभग सभी देश शामिल हो रहे हैं, की सिंगापुर में आयोजित बैठक में अमेरिका ने चीन के आक्रामक रवैये का उदाहरण देते हुए कहा कि चीन 2027 तक ताईवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। अतः अपना-अपना डिफैंस बजट बढ़ाकर साउथ ईस्ट एशिया के देशों को संगठित होना पड़ेगा, चीन का सामना करने के लिए।
- चीन ने इस शांग्रीला कॉन्फ्रैंस से अपने आपको दूर ही रखा है, शायद अमेरिका के डिफैंस सैक्रेटरी से मुलाकात टालने के लिए। क्योंकि, अमेरिका का मानना है कि अमेरिका तो ताईवान के साथ खड़ा ही है, पर एशिया के और देशों को भी अपनी सेना व आर्थिक मदद देनी चाहिए।
- अमेरिका का सुझाव है, एशिया में भी नाटो जैसा संगठन खड़ा करना चाहिए।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मई। अमेरिका ने एशिया में चीन की आक्रामकता के खिलाफ सामूहिक रक्षा तैयारियों और व्यापक सहयोग का आव्हान करते हुए अपने एशियाई सहयोगियों से रक्षा बजट बढ़ाने और तैयारियों को मजबूत करने की अपील की है।

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हैगसथ ने चीन को एशिया में सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि चीन 2027 तक ताइवान पर हमला करने की सैन्य ड्रिल कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संप्रभु और स्वतंत्र ताइवान पर किसी भी हमले को अमेरिका मूक दर्शक बनकर नहीं देखेगा।

हालांकि, हैगसथ ने जोर देकर यह भी कहा कि ताइवान की रक्षा केवल अमेरिका की नहीं, बल्कि पूरे एशिया की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने दोहराया कि ताइवान हमेशा से एक स्वतंत्र राष्ट्र रहा है, और कम्युनिस्ट चीन ने कभी उस पर शासन नहीं किया।

हैगसथ सिंगापुर में आयोजित प्रसिद्ध शांग्री-ला कॉन्फ्रैंस में बोल रहे थे, जिसे सिंगापुर सरकार और अंतरराष्ट्रीय सामरिक अध्ययन संस्थान (इन्टर नैशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज़) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। यह एशिया का एक प्रमुख वार्षिक सम्मेलन है, जिसमें सभी एशियाई देशों के रक्षा प्रमुख क्षेत्र के सामरिक मामलों पर विचार-विमर्श करते हैं।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सी.डी.एस.) जनरल अनिल चौहान कॉन्फ्रैंस में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वहाँ उन्होंने पहली बार यह स्वीकार किया कि पाकिस्तान के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हाँ, हमने पाकिस्तान से युद्ध में कुछ विमान खोए'

पहली बार भारत ने कुछ भारतीय विमान मार गिराये जाने की बात स्वीकार की

- सिंगापुर में आयोजित शांग्रीला कॉन्फ्रैंस में भारत के चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ ने इस बात पर भी जोर देकर कहा कि ''कितने भारतीय विमान मार गिराये गये यह संख्या महत्व नहीं रखती। महत्व इस बात का है कि हमने जान लिया, हमसे क्या गलती हुई थी और अब उन गलतियों को सुधार लिया गया है।''

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 मई। भारतीय सेना ने आज पहली बार इस बात की पुष्टि की कि पाकिस्तान के साथ मई में हुई लड़ाई में, सेना ने अनिर्दिष्ट (अनस्पेसिफाइड) संख्या में फाइटर जैट खोये थे। सेना ने यह भी कहा कि चार दिन तक चली वह लड़ाई न्यूक्लियर युद्ध के कगार तक नहीं पहुंची थी।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं के चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ, अनिल चौहान ने शनिवार को ब्लूमबर्ग टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ''महत्वपूर्ण बात यह नहीं कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे। अनिल चौहान इस समय ''शाँगरी-ला डायलॉग'' में शिरकत करने सिंगापुर गये हुए हैं।

उन्होंने पाकिस्तान के इस दावे को ''पूरी तरह गलत'' बताया कि उसने छः भारतीय लड़ाकू विमान मार गिराये। लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट करने से इनकार कर दिया कि भारत ने कितने जैट खोये थे।

जब चौहान से लड़ाकू जैट्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''वे क्यों गिराये गये, क्या गलतियां हुई थीं, यह महत्वपूर्ण है। संख्या महत्वपूर्ण नहीं है।''

चौहान ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के इस दावे पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अमेरिका ने न्यूक्लियर युद्ध को रोकने में मदद की। लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि यह कहना ''काल्पनिक'' है कि कोई भी पक्ष परमाणु हथियारों के उपयोग के करीब था।

उन्होंने कहा, ''मेरा निजी रूप से मानना है कि परम्परागत सैन्य कार्यवाही एवं न्यूक्लियर युद्ध की शुरूआत के बीच बहुत बड़ा फासला है।'' उन्होंने आगे कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए पाकिस्तान के साथ संवाद के रास्ते ''सदैव खुले हुए थे।'' उन्होंने कहा कि लड़ाई के चरम स्तर पर पहुंचने से पहले, ''कई ऐसे उप-स्तर भी थे, जिन्हें अपने विवादों को निबटाने के लिए काम में लिया जा सकता था'', तथा न्यूक्लियर हथियारों के विकल्प को काम में लेने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

चौहान ने पाकिस्तान द्वारा चीन तथा अन्य देशों से प्राप्त हथियारों की प्रभावशीलता के दावों को भी महत्वहीन बताया तथा कहा कि वे हथियार ''कारगर नहीं हुए।'' भारत के रक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बागीदौरा विधायक के सहयोगी को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 31 मई। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने विधानसभा में उठाए गए सवालों को वापस लेने के बदले रिश्वत लेने से जुड़े मामले में बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल के चचेरे भाई और सहयोगी विजय कुमार पटेल की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पीठासीन

- विधानसभा में उठाये सवाल वापस लेने के बदले रिश्वत प्रकरण में एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने जमानत अर्जी खारिज की।

अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रकरण में अनुसंधान लंबित है और आरोपी पर गंभीर आरोप हैं। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। अदालत पूर्व में एमएलए की जमानत अर्जी को भी खारिज कर चुकी है।

जमानत अर्जी में कहा गया कि न तो उसने परिवादी से रिश्वत की मांग की है और न ही उसे रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में ट्रायल पूरी होने में लंबा समय भी लगेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बीकानेर में पाकिस्तान ने आर्मी व एयरफोर्स की टोह लेने के लिए ड्रोन भेजे थे'

बीएसएफ के डीआईजी अजय लूथरा ने यह भी कहा कि बीएसएफ की सतर्कता से पाकिस्तान अपने इरादों में कामयाब नहीं हो पाया

- लूथरा ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा भेजे गए सर्विलांस ड्रोन के बारे में बीएसएफ ने तुरंत आर्मी व एयरफोर्स को रिपोर्ट किया, जिन्होंने पाक के प्रयास को विफल कर दिया।
- लूथरा ने प्रैस कॉन्फ्रैंस कर बॉर्डर इलाकों में पाकिस्तान के ड्रोन आने की तमाम जानकारियाँ दी।
- लूथरा ने बताया कि अब हम अपनी बटालियन के साथ सीमा क्षेत्र में ''ऑपरेशन शील्ड'' के तहत मॉक ड्रिल कर रहे हैं।

बीकानेर, 31 मई। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डीआईजी (बीकानेर सेक्टर) अजय लूथरा ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान, बॉर्डर के इलाकों को निशाना बनाने की फिराक में था। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान, भारतीय सेना और एयरफोर्स के मूवमेंट की जानकारी लेना चाह रहा था। अधिकांश ड्रोन चीन और टर्की के बने हुए थे। इन सर्विलांस ड्रोन के बारे में बीएसएफ ने समय रहते आर्मी और एयरफोर्स को रिपोर्ट किया, जिसके दम पर इन्हें विफल कर दिया गया।

शनिवार को बीएसएफ के डीआईजी ने प्रेस कॉन्फ्रैंस कर बॉर्डर इलाकों में ड्रोन हमलों से जुड़ी तमाम जानकारियां दीं। उन्होंने कहा, बीएसएफ ने न सिर्फ सीमा की रक्षा की, बल्कि एयरफोर्स और आर्मी को लगातार इनपुट दिए, जिनके दम पर पाकिस्तान की सभी नापाक कोशिशों को नाकाम किया गया। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान, बीकानेर सेक्टर (बीएसएफ) ने पूरी मुस्तैदी के साथ अपने काम को अंजाम दिया था। लूथरा ने बताया, ''जैसलमेर और बीकानेर में पाकिस्तानी ड्रोन बड़ी संख्या में पाकिस्तान ने भेजे थे। जो पाकिस्तानी ड्रोन बीकानेर की तरफ आए थे, वे सर्विलांस करने आए थे। उनका मकसद सैन्य गतिविधियों की जानकारी करना था। 7 से 11 मई के बीच हम पाकिस्तान के हर हमले का जवाब देने के लिए तैयार थे। हम दुश्मन की एक-एक हरकत पर नजर रखे हुए थे। वो कुछ भी करता तो हम उसका माकूल जवाब देने में सक्षम थे।''

ऑपरेशन शील्ड के तहत आज (शनिवार) हो रही मॉकड्रिल में बीएसएफ भी एक्टिव है। बीकानेर दौरे पर प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि अगर वो एक गोली मारेंगे तो हम पूरा गोला मारेंगे। इसी संदर्भ में हम ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉकड्रिल कर रहे हैं। अजय लूथरा ने कहा- हम अपनी बटालियन के सेक्टर एरिया में संवेदनशील जगहों पर मॉकड्रिल कर रहे हैं। हमारे कैंपस में ही कोई गड़बड़ी होती है तो इससे कैसे निपटा जाएगा? इस पर भी काम करेंगे। बॉर्डर एरिया में अगर कोई नुकसान दुश्मन करता है तो वहां से लोगों को कैसे निकाला जा सकता है, इसकी भी मॉकड्रिल की जाएगी।

डीआईजी लूथरा ने बताया कि भारत-पाक सीमा से सटे गांवों में सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। सेंट्रल पीडब्ल्यूडी ने टेंडर कर दिया है, लेकिन परिस्थितियां बदलने के कारण ये काम रुक गया था। अब जल्दी ही सड़कों को सही करने का काम शुरू करवाया जाएगा। 1971 के युद्ध में भारतीय सेना के साथ मिलकर पाकिस्तान को पराजित करने में बीएसएफ की निर्णायक भूमिका रही थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बीएसएफ को 'प्रथम रक्षा पंक्ति' की उपाधि दी थी। ऑपरेशन सिंदूर में बीएसएफ ने फिर से उसी सम्मान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई'

जयपुर, 31 मई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक दिवसीय जयपुर दौरे के दौरान बड़ा बयान दिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर खुलासा किया। जेपी नड्डा ने बताया कि क्यों बने भजनलाल शर्मा

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने, ''भजनलाल मुख्यमंत्री क्यों बने'' के प्रश्न पर यह टिप्पणी की और कहा, वे प्रधानमंत्री मोदी के विज़न को जन-जन तक पहुँचा रहे हैं।

मुख्यमंत्री। उन्होंने कहा ये विचारधारा के सच्चे सिपाही हैं, जो दिन-रात मोदी के विज़न को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी आक्रामक रूख अपनाकर पाकिस्तान के साथ युद्ध के कथानक पर काबिज होना चाहते हैं?

यह जरूरी इसलिए भी हो गया है, क्योंकि मोदी के प्रबलतम समर्थकों में थोड़ी बेचैनी है कि जीतते हुए युद्ध के बीच भारत ने ''सीज़फायर'' को क्यों स्वीकार किया

- देश में उभर रही आंतरिक बैचेनी को थामने के लिए ही नहीं, मोदी का आक्रामक होना इसलिए भी जरूरी है, ताकि, पाकिस्तान के प्रपोगैण्डा को ''काउंटर'' किया जाए।
- पाकिस्तान यह स्थापित करने का प्रयास कर रहा था कि भारत दबाव में आ गया था, इसलिए भारत ने युद्ध को ''ठण्डा'' करने का निर्णय लिया।
- मोदी की आक्रामक शैली से राष्ट्रीय गौरव व गुरूर को छाने का मौका मिलता है तथा बेरोज़गारी, महंगाई व सुस्त इकॉनमी पर बहस, ''बैक ग्राउण्ड'' में चली जाती है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मई 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों में हाल ही में भारी तेजी आई है, जिसमें राष्ट्रवादी भाषणों और पाकिस्तान पर आक्रामक तेवरों की भरमार है। इन रैलियों में राष्ट्रीय नैरेटिव पर दोबारा नियंत्रण पाने की एक रणनीतिक कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब सरकार बढ़ती जांच और आलोचना का सामना कर रही है।

भारत की सैन्य कार्रवाई जिसमें उसे बढ़त प्राप्त थी, को अचानक रोक देने से घरेलू स्तर पर खासा असंतोष हो गया है, विशेष रूप से मोदी के कोर राष्ट्रवादी वोटबैंक में। समझा जाता है। यह कदम अमेरिका के दबाव में उठाया गया। इसीलिए मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा में के मुद्दों पर और भी ज्यादा ज़ोर दे रहे हैं, और बालाकोट एयरस्ट्राइक तथा सर्जिकल स्ट्राइक जैसी पुरानी सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख कर, स्वयं को एक निर्णायक और मज़बूत नेता के रूप में दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

यह आक्रामक अभियान कई उद्देश्यों को साधता है, पर सबसे बढ़कर यह असल में नुकसान की भरपाई का प्रयास हैं। किसी स्पष्ट स्पष्टीकरण के बिना सैन्य कार्रवाई को अचानक समाप्त कर देना सरकार को आलोचना के घेरे में ले आया है।

विपक्ष अब रणनीतिक पारदर्शिता, भारत की संप्रभुता पर विदेशी प्रभाव और यह सवाल उठा रहा है कि भारत ने कथित रूप से बढ़त के बावजूद पीछे हटने का निर्णय क्यों लिया। लेकिन मोदी ने इन सवालों का प्रत्यक्ष रूप से जवाब नहीं दिया है। इसके बजाय, वह भावनात्मक रूप से तीव्र सार्वजनिक भाषणों और देशभक्ति की छवियों का उपयोग करके जनता का ध्यान दूसरी ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

इस प्रकार की बयानबाज़ी के पीछे एक महत्वपूर्ण प्रेरणा पाकिस्तान के उस अंतरराष्ट्रीय नैरेटिव को काटना भी है, जिसमें यह दिखाया गया कि भारत ने दबाव में आकर तनाव कम किया। मोदी का आक्रामक स्वर इस धारणा को कमजोर करने और घरेलू व वैश्विक दोनों प्रकार के लोगों के लिए भारत की शक्ति का संकेत देने के लिए तैयार किया गया है। भारत की पूर्ववर्ती आक्रामकता और भविष्य की तत्परता पर ज़ोर देकर मोदी यह प्रयास कर रहे हैं कि भारत की क्षेत्रीय प्रभुत्व की स्थिति दोबारा स्पष्ट की जाए, साथ ही स्वयं को एक ऐसे वैश्विक नेता के रूप में पेश किया जाए जो जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपट सकता है।

यह अभियान संघ परिवार के भीतर से उठ रही असहमति और दबाव को भी निष्क्रिय करने की एक कोशिश है, खासकर आरएसएस के उन तत्वों से, जो संघर्षविराम से असहज बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री का नैरेटिव उनकी परंपरागत समर्थन आधार के साथ वैचारिक सामंजस्य को पुनः पुष्टि करता है और आगामी चुनावों से पहले उनके जोश को फिर से जगाने का प्रयास करता है। घरेलू स्तर पर, रैलियों की यह बाढ़ बेरोज़गारी, महंगाई और सुस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर पश्चिम राज्यों में मॉक ड्रिल

नयी दिल्ली, 31 मई। केन्द्र सरकार के निर्देश पर उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती राज्यों में आज 'आपरेशन शील्ड' के तहत, वायु हमलों से बचाव के लिए मॉक ड्रिल की गई।

केन्द्र शासित जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अलग अलग स्थानों में हुए इस अभ्यास में सिविल

- राजस्थान, जम्मू कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा, पंजाब व गुजरात में ''ऑपरेशन शील्ड'' के तहत मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

डिफेन्स और विभिन्न सरकारी एजेंसियों ने जनभागीदारी के साथ हवाई हमले से बचाव के प्रदर्शन किए।

सूत्रों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में अमर सिंह निवास में आयोजित इस मॉक ड्रिल में विभिन्न सरकारी और सिविज एजेंसियों ने भाग लिया। जम्मू में भी जिला प्रशासन ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)